

---

Shri Lalitastotram

श्रीललितास्तोत्रम्

Document Information

---

Text title : lalitAstotram

File name : lalitAstotram.itx

Category : devii, sachchidAnanda-shivAbhinava-nRisiMhabhAratI, devI, dashamahAvidyA,  
lalitA

Location : doc\_devii

Author : Sachchidananda Shivabhinava Nrisimha Bharati Swamigal

Proofread by : PSA Easwaran psawaswaran at gmail.com

Latest update : November 9, 2018

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

September 17, 2023

*sanskritdocuments.org*

---

---

Shri Lalitastotram

श्रीललितास्तोत्रम्



कथनीयं किं वाञ्छितमम्ब पुरस्ते न सर्वज्ञा ।  
किं त्वं शैलेशसुते पूरय वाञ्छां ममाशु करुणाब्धे ॥ १ ॥  
एतावता तव स्यात्का हानिः कामवैरिपुण्यतते ।  
पश्य दृगग्रेण जनं क्लिष्टमिमं बहुविधैर्दुःखैः ॥ २ ॥  
ईडितपदे सुराग्र्यैरीशानप्रभृतिभिर्निजेष्टास्यै ।  
ईप्सितवितरणनिर्जितकल्पतरो रोहिणीशशिशुचूडे ॥ ३ ॥  
लक्ष्यं भूयादक्ष्णोर्ललनारत्नं ललाटनयनस्य ।  
क नु मम हेतुविहीनापारकृपाजन्मगेहमगजन्म ॥ ४ ॥  
हीमान्को वा न भवति गिरिजे त्वत्पादपङ्कजं स्तोतुम् ।  
पद्मजषण्मुखफणिराण्मुख्या अपि यत्र मूकतां यान्ति ॥ ५ ॥  
इति शृङ्गेरि श्रीजगद्गुरु श्रीसच्चिदानन्दशिवाभिनवनृसिंह-  
भारतीस्वामिभिः विरचितं श्रीललितास्तोत्रं सम्पूर्णम् ।

Proofread by PSA Easwaran

---

Shri Lalitastotram

pdf was typeset on September 17, 2023

Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

